Date
8/05/2020

Subject - Gender, School and Society
Topic - Women Empowerment

B.Ed
2nd year

महिला सशक्तीकरण

महिला सशक्तीकरण का तात्पर्य स्त्री को शक्ति प्रदान करने से है परन्तु यहाँ शक्ति का अभिप्राय दूसरे पर आधिपत्य स्थापित करना नहीं है बल्कि स्त्रियों में जीवन का सामना करने के लिए आन्तरिक सुदृढ़ता एवं विश्वास की भावना के विकास से है। महिला सशक्तीकरण महिलाओं के अधिकारों एवं योग्यताओं का विस्तार है।

महिला सशक्तीकरण की विशेषताएँ :- शिक्षा द्वारा महिला सशक्तीकरण-

1) साहसी होना, 2) आत्मनिर्भर होना,
3) आर्थिक रूप से स्वाधीन होना
4) विवाह की आयु का निर्धारण एवं तय करना
5) मानवाधिकारों की समझ
6) बालकों के सही पालन - पोषण में सक्षमता
7) सहयोग एवं उत्तरदायित्व का विकास
8) शैक्षिक सक्रियता
9) सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना
10) मानव - मूल्यों के अनुसार व्यवहार करना
11) पर्यावरण के अनुकूल कार्य व्यवहार करना,

Scanned with CamScanner

महिला सशक्तीकरण के लिए सुझाव :-

1. महिला सशक्तीकरण के लिए लड़कियों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देना चाहिए। क्योंकि एक शिक्षित लड़की एक शिक्षित राष्ट्र का निर्माण करती है।

2. उच्च शिक्षा की बाधाएँ दूर करने के लिए प्रत्येक राज्य में महिला वि०वि० की स्थापना की जानी चाहिए।

3. महिला सशक्तीकरण के विकास के लिए स्त्रियों की शिक्षा मे व्यवसायिक शिक्षा को महत्व दिया जाए।

4. महिलाओं के लिए अलग निदेशालय की स्थापना हो जिसका कार्य उपयोगी पाठ्यचर्या का आयोजन एवं प्रबन्धन, मूल्यांकन तथा उपयुक्त डिप्लोमा प्रदान करना होना चाहिए।

5. महिला सशक्तीकरण के लिए आगॅनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बीमा, भविष्य निधि, तथा मेडिकल सुविधाए व बालिकाओं के विकास के लिए कौशल प्रशिक्षण की जानकारी देनी चाहिए।

6. प्राचीन समय से व्याप्त लैंगिक असमानता, पुरुष प्रधानता, रूढ़िवादी विचार, सती-प्रथा, भ्रूण हत्या, बाल विवाह, दहेज-प्रथा को समाज से दूर करना होगा।

7. महिला सशक्तीकरण के लिए राज्य एवं केन्द्र सरकार को भी इनकी सुरक्षा, शिक्षा, समानता तथा स्वतन्त्रता आदि सुविधा प्रदान करने के व्यवस्था करनी चाहिए।

Continue---

[illegible signature]
8/05/2020